हरिभूमि
वनांचल भूमि

रायपुर, शुक्रवार 3 अप्रैल 2026

[बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर]

तापमान

अधिकतम 35.9 डिग्री

न्यूनतम 23.6 डिग्री

हनुमान जन्मोत्सव में भक्ति में डूबा शहर

खबर संक्षेप

खरीफ व रबी सीजन के लिए कृषि नियंत्रण कक्ष स्थापित

जगदलपुर। जिले के किसानों के लिए कृषि विभाग के द्वारा आगामी खरीफ और रबी सीजन 2026-27 के लिए जिला स्तरीय कृषि नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत बीज, गुणवत्तापूर्ण उर्वरक और कीटनाशक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, साथ ही बाजार में खाद-बीज की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और ऊंचे दामों पर बिक्री की रोकथाम करना है। इसके अतिरिक्त फसलों में लगने वाले कीट और व्याधियों के उचित प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ इस केंद्र के माध्यम से किसानों को समय-समय पर तकनीकी सलाह भी प्रदान करेंगे।

नगरनार पंचायत प्रांगण में चैत्र मेला लगेगा आज

जगदलपुर। नगरनार पंचायत के प्रांगण मे आगामी चैत्र मेला के लिए बैठक रखी गई जिसमें क्षेत्रीय थाना प्रभारी की उपस्तिथि में आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई7 इस दौरान मेला आयोजन समिति के संरक्षक तुलाराम सेठिया, अध्यक्ष घनश्याम सेठिया, उपाध्यक्ष डोमू सिरहा, महेश कश्यप, कोषाध्यक्ष रेणू बघेल, सचिव रवि शंकर दास एवं ग्राम वासी उपस्थित थे।

कांग्रेस ने नियुक्त किए गांव चलो अभियान प्रभारी

जगदलपुर। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य द्वारा आज ब्लॉक प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार एवं मिशन गांव चलो अभियान के जिला प्रभारी विमल सुराना के सहमति से ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी मिशन गाँव चलो अभियान के तहत संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की प्रक्रिया तेजी से जारी है।

भाकियू टिकैत के प्रवक्ता राकेश की रिहाई की मांग

जगदलपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत को ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित किसान महापंचायत में शामिल होने जाते समय सर्किट हाउस में पुलिस द्वारा अनावश्यक रूप से रोककर गिरफ्तार किया गया, जो कि अत्यंत निंदनीय है। इस अन्यायपूर्ण कार्रवाई के विरोध में भारतीय किसान यूनियन टिकैत, जिला बस्तर के जिला अध्यक्ष रमेश गोयल के नेतृत्व में कोतवाली थाना में आवेदन प्रस्तुत किया गया। नारेबाजी करते हुए राकेश टिकैत की तत्काल रिहाई की मांग की गई।

लीलाधर राठौर बने कोतवाली टीआई

जगदलपुर। बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने जिले में बड़ा फेरबदल कर कई थाना प्रभारियों के तबादले किए। इसमें निरीक्षक लीलाधर राठौर को थाना प्रभारी कोतवाली, तामेश्वर चौहान को थाना बोधघाट, शिवानंद सिंह को थाना करपावंड, भोलासिंह राजपूत को सायबर सेल प्रभारी जगदलपुर, बसंत खलखो को थाना अजाक, दिलबाग सिंह को यातायात शाखा जगदलपुर, श्रीमती राजकुमारी पांडे को महिला थाना, सुरीत सारथी को पुलिस नियंत्रण कक्ष, रविन्द्र मंडावी को रक्षित केन्द्र जगदलपुर एवं उमेश पाटिल को रक्षित केन्द्र जगदलपुर स्थानांतरित कर पदस्थ किया गया।

भक्ति में डूबा शहर, हनुमान जन्मोत्सव पर गूंजे राम नाम के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

पवनपुत्र भगवान हनुमान के जन्मोत्सव पर गुरुवार को पूरा शहर भक्ति और श्रद्धा में सराबोर नजर आया। शहर के सभी हनुमान मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और अखंड रामायण पाठ के आयोजन से वातावरण भक्तिमय हो गया। दंतेश्वरी मंदिर के समीप टेकरी स्थित हनुमान मंदिर में चैत्र पूर्णिमा से दो दिवसीय भव्य आयोजन का शुभारंभ हुआ। ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ जल स्नान, अभिषेक और आरती के साथ पूजा संपन्न हुई। प्रातः 7 बजे हनुमान चालीसा, हनुमान अष्टक और बजरंग वंदना के साथ विधिविधान से चोला अर्पण किया गया, वहीं 9 बजे अखंड सुंदरकांड पाठ प्रारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने रात्रि में नए बस स्टैंड, लक्ष्मीनारायण मंदिर, संजय बाजार चौक, धरमपुरा, प्रतापगंजपारा शिवालय और आड़ावाल स्थित हनुमान मंदिरों में भी विशेष पूजा,पाठ और महाभंडारे का आयोजन हुआ। 3 अप्रैल को हवन, आरती और विशाल भंडारे के साथ आयोजन का समापन होगा। शहर में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर महाभण्डारा किया गया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा ▶▶|शेष पेज 10 पर

मंदिरों में अखंड रामायण, सुंदरकांड और चोला अर्पण से आस्था का महासंगम

आस्था,सेवा और एकता का अद्भुत संगम

हनुमान जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर प्रांत सह मंत्री रवि ब्रह्मचारी ने सनातन संस्कृति को हमारी पहचान बताते हुए एकजुटता का आह्वान किया। वहीं जिलाध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता ने संगठन की मजबूती में बजरंगियों की भूमिका को अहम बताया। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री नवीन देवांगन ने किया,आभार प्रदर्शन योगेंद्र कौशिक द्वारा किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान अरविंद नेताम,राजा राम तोड़ेम,दशरथ कश्यप,जागेश्वर साहू, प्रेम चालकी,जविता मांडवी,जिला संयोजक विष्णु ठाकुर, सहसंयोजक योगेश,सेवा प्रमुख अनिल अग्रवाल,अर्चक पुरोहित पंकज मिश्रा,सेवा प्रमुख पवन राजपूत,विभाग सह मंत्री श्रीनिवास रेड्डी, नगर अध्यक्ष प्रति गुरु,नगर मंत्री विक्रम सिंह ठाकुर,नगर संयोजक जगदीश ठाकुर,रोहन सेठिया, राज बघेल, प्रवीण मोक्ष,रितेश ठाकुर, विजू, आयुष,जसवंत, लक्ष्मीकांत, विजय,नैतिक,गीतेश, विष्णु,गुनीराम,आशीष, चंदन एवं अमित सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की एथलेटिक्स स्पर्धाओं का समापन

ओडिशा ने लहराया परचम, झारखंड दूसरे तो कर्नाटक रहा तीसरे स्थान पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

जगदलपुर में जनजातीय खेल प्रतिभाओं ने दिखाया दमखम

धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की एथलेटिक्स स्पर्धाओं का गुरुवार को भव्य समापन हो गया। 30 मार्च से शुरू हुए इस चार दिवसीय खेल महाकुंभ ने देशभर की जनजातीय प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान किया, जहाँ एथलीटों ने अपने अदम्य साहस और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन जैसे ही अंतिम दौर के मुकाबले समाप्त हुए, पदक तालिका की तस्वीर साफ हो गई। इस रोमांचक खेल आयोजन में ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों ने अपनी खेल परंपरा और श्रेष्ठता को बरकरार रखते हुए शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमाया।

पदक तालिका के आंकड़ों पर गौर करें तो ओडिशा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य पदकों के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। ओडिशा को झारखंड से कड़ी टक्कर मिली, जिसने भी 8 स्वर्ण पदक अपने नाम किए, लेकिन अन्य पदकों के समीकरण के आधार पर वह दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, कर्नाटक की टीम 5 स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रही, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। मेजबान छत्तीसगढ़ के एथलीटों ने भी घरेलू मैदान पर दर्शकों के भारी उत्साह के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और 1 स्वर्ण, 4 रजत व 1 कांस्य पदक जीतने में सफलता प्राप्त की। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स प्रतियोगिता के समापन सत्र के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। समापन कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, जिला पंचायत में खेल एवं युवा समिति के सभापति बनवासी मौर्य, कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी, कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने कार्यक्रम में शिरकत की। अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस आयोजन ने न केवल जनजातीय युवाओं के खेल कौशल को निखारा है, बल्कि बस्तर की धरती पर खेल संस्कृति को एक नई दिशा भी प्रदान की है।

हाई जंप में ओडिशा 800 मीटर दौड़ में छत्तीसगढ़ की धाक

धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के एथलेटिक्स ट्रैक पर बुधवार को रोमांच की नई इबारत लिखी गई। जहाँ मेजबान छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं ने भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी धमक दिखाते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया। 30 मार्च से शुरू हुए इस ऐतिहासिक खेल महाकुंभ में छत्तीसगढ़ के होनहार खिलाड़ी गजेंद्र ठाकुर ने पुरुष वर्ग की 800 मीटर दौड़ के बेहद कड़े और रोमांचक मुकाबले में अपनी रफ्तार का लोहा मनवाया। स्वर्ण पदक के लिए ओडिशा के धावक दयानिधि मुंडा के साथ अंतिम क्षणों तक चली इस कांटे की टक्कर में गजेंद्र ठाकुर ने 1:53.82 का शानदार समय निकालकर रजत पदक अपने नाम किया और बस्तर की धरती पर छत्तीसगढ़ की झोली में उपलब्धि डाल दी। मैदान पर उत्साह का यह सिलसिला अन्य स्पर्धाओं में भी निरंतर जारी रहा, जहाँ देश के विभिन्न कोनों से आए एथलीटों के बीच पदक ▶▶|शेष पेज 10 पर

अब गूंजता है बस की हॉर्न

ककनार घाटी के नीचे थमा नक्सल आतंक का शोर

जगदलपुर। बस्तर की भौगोलिक विषमताओं और कठिन परिस्थितियों के बीच विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन थी।

ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर गांव कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जो कभी वामपंथी आतंक के गढ़ माने जाते थे, आज मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। इन गांवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान और माओवाद के साये ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था। लेकिन आज उन्हीं संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क में बस का दौड़ना बस्तर की बदलती तस्वीर का सबसे सशक्त प्रमाण है। ज्ञात हो कि बस्तर जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना की शुरूआत बीते 04 अक्टूबर 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के माध्यम से जिले के ▶▶|शेष पेज 10 पर

5 किलोमीटर की होती है पदयात्रा

कोटपाड़ की 'घट जात्रा' में दो राज्यों के श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

ओड़िशा के कोरापुट जिले के कोटपाड़ में शीतला माता की विशेष पूजा 'घट जात्रा' के रूप में हर तीन वर्ष में एक बार भव्यता के साथ आयोजित होती है। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कलश यात्रा में शामिल होते हैं।

मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालु, विशेषकर महिलाएं, सिर पर कलश (घट) रखकर शीतला मंदिर से नगर के आउटर में स्थित मंदिर तक लगभग 5 किलोमीटर की पदयात्रा करती हैं। इसके बाद रथ में विराजमान माता को विधिवत मंदिर में स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती है। 500 गांवों से जुटती है भीड़, दो राज्यों से पहुंचते हैं। इस विराट आयोजन में कोटपाड़ सहित आसपास के कई गांवों के

तीन साल में एक बार होती है शीतला माता की महापूजा

लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा ओड़िशा के दूरस्थ क्षेत्रों के साथ-साथ आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। कोटपाड़ निवासी डॉ श्रुतिरंजन मिश्रा के अनुसार इस पूजा की परंपरा अत्यंत प्राचीन है, हालांकि पहले यह सीमित रूप में होती थी, लेकिन पिछले दो दशकों में यह विशाल स्वरूप ले चुकी है। इस दौरान शीतला माता और माँ कुटुबेश्वरी की विशेष पूजा कर क्षेत्र में शांति, अच्छी फसल और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पांच दिन तक मेला, नाट्य मंचन ▶▶|शेष पेज 10 पर

सुरक्षा के कड़े इंतजाम,श्रद्धालुओं की आस्था में बलि प्रथा भी शामिल

इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सैकड़ों महिला और पुरुष पुलिस जवान तैनात किए जाते हैं। कोटपाड़ के ज्योति ज्वेलर्स के संचालक एम ब्रम्हा के अनुसार इस पूजा में बड़ी संख्या में आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के श्रद्धालु विशेष रूप से शामिल होते हैं। मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालु यहां बकरे की बलि भी चढ़ाते हैं,जो इस परंपरा का अहम हिस्सा माना जाता है।

15 दिनों से 9वीं का आदिवासी छात्र लापता अधीक्षक कार्यमुक्त, वेतनवृद्धि रोकी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

जिले में आदिवासी बच्चों के साथ जिस तरह की लापरवाही की जा रही है और सहायक आयुक्त के द्वारा की जा रही कार्रवाई सवालों के घेरे में है। जिले में शैक्षणिक अव्यवस्था अब खुलकर सामने आने लगी है। कलेक्टर के प्रवास व निरीक्षण के बाद आदिवासी विभाग की पोल खुलने लगी है। आवासीय विद्यालयों में अनियमितता व कमीशन का खेल बच्चों के निवालों पर भारी पड़ने लगा है। चर्चा है कि ब्लाक स्तर से जिला स्तर तक 5 से 10 फीसदी प्रति माह की नोडल के माध्यम से वसूली की शिकायत अब मंत्री स्तर तक पहुंच चुकी है।

कोन्टा विकासखंड में स्थित प्री मैट्रिक बालक छात्रावास में छात्रों की निगरानी में गंभीर लापरवाही बरतने के मामले में प्रशासन ने कार्रवाई की है। प्रभारी अधीक्षक आस मुकेश मूल पद प्रधान पाठक प्राथमिक शाला एकलगुड़ा को तत्काल प्रभाव से अधीक्षकीय कार्य से मुक्त करते हुए उनके मूल पदस्थापना स्थल के लिए भारमुक्त कर दिया गया है। बताया जाता ▶▶|शेष पेज 10 पर

नक्सली खत्म तो बीजेपी नेताओं की सुरक्षा भी हटाई जाए : कर्मा

गीदम। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गीदम के अध्यक्ष अनिल कर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को लेकर भाजपा सरकार के दावे अब सवालों के घेरे में हैं। एक तरफ मंचों से नक्सलवाद खत्म होने की बातें की जा रही हैं, तो दूसरी तरफ भाजपा नेताओं की सुरक्षा पहले की तरह बनी हुई है। अगर सच में नक्सलवाद समाप्त हो गया है, तो फिर यह सुरक्षा किस बात की है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद खत्म होना चाहिए यह हम भी चाहते हैं, लेकिन भाजपा की कथनी और करनी में फर्क है। जिस प्रकार भाजपा के कुछ नेता नक्सलियों के प्रति नरम रवैया अपनाते नजर आते हैं, वह बेहद गंभीर और चिंताजनक विषय है। वहीं नक्सल हिंसा से पीड़ित परिवार आज भी अपने हक और सहायता के लिए संघर्ष कर रहे हैं,

लेकिन भाजपा सरकार ने उनके लिए अब तक कोई ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद जैसे संवेदनशील मुद्दे पर केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि जमीन पर ठोस काम की जरूरत है। पीड़ितों के पुनर्वास, सुरक्षा और विकास के लिए ठोस नीति और कार्यवाही ही असली समाधान है।

नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक उपलब्धि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

एक दीप शहीदों के नाम, बस्तर में बलिदान का सम्मान, दीपों से जगमगाया शौर्य स्मारक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के नक्सलमुक्त होने की ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशव्यापी आह्वान पर बस्तर जिला मुख्यालय में "एक दीप शहीदों के नाम" कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। सिरहासार स्थित अमर जवान शहीद स्मारक परिसर दीपों की रोशनी से आलोकित हो उठा,जहां कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने नक्सली हिंसा में शहीद हुए वीर जवानों, जनसेवकों और निर्दोष नागरिकों की पावन स्मृति में दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि

अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भावुकता और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। यह आयोजन केवल श्रद्धांजलि का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ के नए युग की शुरुआत का संदेश भी देता दिखा, जहां शांति, सुरक्षा और विकास की नई राह प्रशस्त होती नजर आई। भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने कहा कि यह आयोजन शहीद परिवारों के प्रति संवेदना और राष्ट्र के रक्षकों के प्रति अटूट सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि बस्तर अब भय और हिंसा से बाहर निकलकर शांति और विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो वीर जवानों के अदम्य साहस और बलिदान का ही परिणाम है।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर मनोहर दत्त तिवारी, सुरेश गुप्ता, अविनाश गौतम, सूर्य भूषण सिंह, कृष्ण कुमार शुक्ला, विक्रांत नाग,बंटू पांडेय, बृजेश शर्मा, संजय चंदा,प्रेम यादव,रोहन घोष, अभिषेक तिवारी,आनंद झा,मयंक दीवान,राज पांडे, रमेश नायडू, बृजेश शर्मा,उत्तम साहू,योगेश पानीग्राही, विकास सिकदर,विकास साहू, गजेंद्र पगारे,अजय शुक्ला,नवल तिवारी, नागेश साहू,रितेश झा, विकास पत्रों सहित जिला संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष,बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

गर्म पसिया से झुलसा एक साल का मासूम

फरसगांव। कोंडागांव जिले की ग्राम पंचायत बानगांव में बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां मंगलू नेताम का एक साल का बेटा धीरज नेताम घर में रखे गर्म पसिया से बुरी तरह झुलस गया। बताया जा रहा है कि मंगलू की पत्नी ने शाम करीब 7 बजे चावल पकाने के बाद गर्म पसिया को घर के भीतर ही रखा था। इसी दौरान अचानक बिजली गुल हो गई, जिससे घर में अंधेरा छा गया। अंधेरे में खेल रहे मासूम धीरज का हाथ गलती से गर्म पसिया में चला गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद परिजन तुरंत बच्चे को फरसगांव अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल बच्चे का इलाज जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क शिविर 6 से

कोण्डागांव। दिव्यांगजनों को सुविधा प्रदान करने के लिए जिले में तीन दिवसीय विशेष निःशुल्क शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 6 अप्रैल से 8 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक उप संचालक, समाज कल्याण विभाग कार्यालय एनसीसी मैदान के पास में आयोजित किया जाएगा। शिविर में दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम हाथ–पैर उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बनाए जाएंगे। इच्छुक दिव्यांगजन आधार कार्ड एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ शिविर में उपस्थित होकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने सभी पात्र दिव्यांगजनों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन 10से

कोण्डागांव। जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार जिले के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इच्छुक विद्यार्थी 10 अप्रैल से 5 मई तक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। यदि आवेदन संख्या अधिक होती है, तो 6 मई से 10 मई 2026 के बीच लॉटरी प्रणाली के माध्यम से सीटों का आवंटन किया जाएगा। प्रवेश से संबंधित अन्य आवश्यक कार्यवाही 11 मई से 15 मई के बीच पूर्ण की जाएगी। जिले के विभिन्न अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में प्रवेश के लिए यह अवसर उपलब्ध है, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। विद्यार्थी स्वामी आत्मानंद विद्यालय के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

शिविर में हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का मिला लाभ, प्रमाणपत्र और कार्ड का वितरण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोण्डागांव

- दूरस्थ ग्राम चेमा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित
- 176 आवेदन मिले, निराकरण की प्रक्रिया की गई शुरू

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत कोंडागांव के दूरस्थ ग्राम चेमा में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर के दौरान ग्रामीणों से कुल 176 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने 12 आयुष्मान कार्ड, राजस्व विभाग ने 08 डिजिटल किसान किताब एवं 04 जन्म प्रमाण पत्र, शिक्षा विभाग ने 10 जाति प्रमाण पत्र, खाद्य विभाग ने 01 राशन कार्ड तथा श्रम विभाग ने 10 श्रम कार्ड वितरित किए।

योजनाओं की दी गई जानकारी

अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। शिविर में लाभ प्राप्त करने वाले ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन के प्रति खुशी जताते हुए आभार व्यक्त किया।

निर्धारित समयसीमा में कार्यों को पूरा करें: नूपुर

भंवरडींग नदी पर बन रहे पुल का लिया जायजा, सड़क निर्माण की धीमी गति पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोण्डागांव

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने मर्दापाल तहसील अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क एवं चल रहे पुल निर्माण के कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की।

ग्राम अदनार एवं तोतर के मध्य भंवरडींग नदी पर बन रहे 234 मीटर लंबे पुल का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने पुल के किनारों की पिचिंग को मजबूत करने तथा शेष कार्यों को वर्षा ऋतु से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। इससे पूर्व कलेक्टर ने मर्दापाल मुख्य मार्ग से चांगेर हंगवा तक बन रही लगभग 12.90 किलोमीटर लंबी सड़क का निरीक्षण किया।

कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए लोक निर्माण विभाग को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों सहित जिला पंचायत सीईओ एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

शोभायात्रा, झांकियों व भजन कीर्तन से भक्तिमय हुआ नगर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोंडागांव

नगर में दर्जी समाज द्वारा संत शिरोमणि पीपा महाराज की जयंती एवं हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली, जो प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरी। शोभायात्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में भगवान हनुमान एवं संत पीपा महाराज की सुंदर एवं आकर्षक झांकियां सजाई गईं, जिन्होंने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान भजन–कीर्तन, आरती एवं धार्मिक आयोजन किए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

सेंट जेवियर्स स्कूल में धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोंडागांव

सेंट जेवियर्स स्कूल में हनुमान जयंती का पर्व बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनायी गयी। इस अवसर पर विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे–मुन्ने बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता के रूप में फैंसी ड्रेस धारण कर सुंदर प्रस्तुतियां दीं, जिससे कार्यक्रम का आकर्षण बढ़ गया। इस दौरान बच्चों ने भगवान हनुमान से संबंधित नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को भाव–विभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चेमा शिविर के दौरान गोदभराई और किया अन्नप्राशन संस्कार

महिला एवं बाल विकास विभाग का पोषण जागरुकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोंडागांव

ग्राम पंचायत चेमा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं पोषण संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल के माध्यम से पोषण आहार का प्रदर्शन किया गया तथा गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुपोषित बच्चों को पोषण अभियान के तहत सुपोषण किट वितरित की गई। बाल विवाह रोकथाम पर जागरुकता –ग्रामीणों को बाल विवाह मुक्त कोंडागांव बनाने के उद्देश्य से जागरूक किया गया और विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हरदी में नवविवाहिता की हत्या का खुलासा, पति और सास गिरफ्तार

मगरलोड। चौकी करेलीबड़ी क्षेत्र के ग्राम हरदी में नवविवाहिता की हत्या का खुलासा हुआ है। इस मामले में पति चंद्रशेखर यादव सहित सास रीना बाई यादव को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 30 मार्च की है। हरदी में नवविवाहिता की मृत्यु की सूचना प्राप्त होते ही चौकी करेलीबड़ी पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर मर्ग कायम कर गंभीरता से विवेचना प्रारंभ की गई। घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण, परिस्थितिजन्य साक्ष्य संकलन एवं गवाहों के कथनों के आधार पर पुलिस ने हर पहलू पर बारीकी से जांच की। शव परीक्षण रिपोर्ट में मृत्यु का कारण श्वास अवरुद्ध (गला घोंटने) तथा मृत्यु की प्रकृति हॉमीसाइडल (हत्या) पाए जाने पर मामला स्पष्ट रूप से हत्या का होना प्रमाणित हुआ। करेलीबड़ी पुलिस की सतत पूछताछ एवं एफएसएल टीम द्वारा तथ्यों का विश्लेषण एवं तकनीकी साक्ष्यों के समन्वय से खुलासा हुआ।

पेज 9 के शेष

भक्ति में डूबा शहर, हनुमान जन्मोत्सव ...

भव्य आयोजन किया गया। सिरासार भवन से दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसके बाद बजरंगी कार्यकर्ता रैली के रूप में टेकरी मंदिर पहुंचे और सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। तत्पश्चात राम दरबार और हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर समाज के विभिन्न प्रमुखों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सफाई कर्मचारियों के साथ सामूहिक भोजन प्रसाद ग्रहण कर सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया गया। वक्ताओं ने सनातन संस्कृति की एकता और संगठन की शक्ति पर जोर दिया।

हाई जंप में ओडिशा, 800 मीटर दौड़...

जीतने की जबरदस्त होड़ देखने को मिली। पुरुषों की 10,000 मीटर पैदल चाल में कर्नाटक के दशरथ निंगप्पा तलवर ने 45:13.85 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी दर्शन भरमप्पा बगड़ी ने रजत और गुजरात के सागरभाई रमेशभाई कटारा ने कांस्य पदक हासिल किया। इसी स्पर्धा के महिला वर्ग में झारखंड की नेहा खलको ने 1 घंटा 04 मिनट और 02.46 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, वहीं ओडिशा की एलीश एक्का को रजत और मेघालय की बेथलीन ग्रेस माक्री को कांस्य पदक मिला। बाधा दौड़ की चुनौतियों के बीच भी एथलीटों का कौशल देखते ही बनता था, जहाँ पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ में ओडिशा के रोशन खड़यि और महिला वर्ग में झारखंड की शिवानी कुमारी ने अपनी अविश्वसनीय रफ्तार के दम पर स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

महिला भाला फेंक स्पर्धा में ओडिशा की धनमती विजेता: सिंथेटिक ट्रैक के साथ-साथ फील्ड इवेंट्स में भी जनजातीय बेटियों ने अपनी असाधारण प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिला भाला फेंक स्पर्धा में ओडिशा की धनमती खेस ने 44.79 मीटर की दूरी तय कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं झारखंड की सबीता मुर्मू ने रजत और गुजरात की गमित अपिक्षा ने कांस्य पदक जीतकर अपने राज्यों का गौरव बढ़ाया। महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में कर्नाटक की नागिनी ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। बस्तर के आधुनिक क्रीड़ा परिसर में आयोजित यह गौरवशाली आयोजन न केवल मेजबान छत्तीसगढ़ की खेल क्षमताओं को उजागर कर रहा है, बल्कि सुदूर जनजातीय अंचलों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़कर भारतीय खेलों के स्वर्णिम भविष्य की एक ऊर्जावान तस्वीर भी पेश कर रहा है।

ऊंची कूद का विजेता तकनीकी आधार पर हुआ घोषित: महिला ऊंची कूद स्पर्धा ने रोमांच की सारी हदें पार कर दीं। सिंथेटिक ट्रैक पर सुबह से जारी गहमागहमी के बीच जब ऊंची कूद का मुकाबला शुरू हुआ, तो दर्शकों की सांसें थम गईं। स्वर्ण पदक के लिए ओडिशा की दीपा किसान और असम की काहिमा बासुमतारी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। दोनों ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने मैदान पर अपनी असाधारण खेल प्रतिभा और जुझारूपन का परिचय देते हुए 1.45 मीटर की ऊंचाई सफलतापूर्वक पार कर ली। स्टेडियम में मौजूद खेल प्रेमियों और प्रशिक्षकों के बीच उत्साह तब चरम पर पहुँच गया जब दोनों एथलीट समान ऊंचाई पर अटकी रहीं। अंततः विजेता का फैसला तकनीकी आधार पर किया गया। कम प्रयासों में इस कठिन लक्ष्य को हासिल करने के कारण ओडिशा की दीपा किसान को प्रथम घोषित किया गया, और उन्होंने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा कर अपनी टीम को गौरवान्वित किया। वहीं शानदार प्रदर्शन करने वाली असम की काहिमा बासुमतारी को बेहद मामूली अंतर से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा में ओडिशा का दबदबा यहीं नहीं थमा और राज्य की एक अन्य खिलाड़ी कबीता तादिंगी ने 1.43 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

ककनार घाटी के नीचे थमा...

चार चयनित मार्गों पर बस सेवा संचालित की जा रही है।

वामपंथी समस्या के कमजोर पड़ने और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के चलते अब इन संवेदनशील इलाकों में सड़कों का निर्माण संभव हो पाया है। पक्की सड़कों के इस जाल ने न केवल परिवहन को आसान बनाया है, बल्कि ककनार घाटी के नीचे बसे ग्रामीणों के मन से अलगाव का डर भी खत्म कर दिया है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के लिए ग्रामीणों को मीलों का सफर तय नहीं करना पड़ता। यह निरंतर बस सेवा इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का वह हिस्सा जो कभी अंधेरे में खोया हुआ माना जाता था, अब पूरी रफ्तार के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है। घाटी की ऊंचाइयों से उतरकर यह बस आज हर ग्रामीण के घर तक शासन की योजनाओं और खुशहाली का संदेश पहुँचा रही है।

माओवादियों ने रोका विकास, सड़क से मिली नई दिशा: इस बारे में चंदेला के सरपंच तुलाराम नाग कहते हैं कि करीब दो साल पहले तक इस इलाके में माओवादी समस्या के कारण विकास थम सी गई थी लेकिन आज सड़क बन जाने के साथ ही विकास को एक नई दिशा मिल चुकी है। इस इलाके में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं के साथ ही उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न एवं अन्य जरूरी सामग्री सुलभ हो रही है वहीं समीपस्थ ग्राम ककनार में साप्ताहिक बाजार की रौनक देखते ही बनती है। क्षेत्र के ककनार सरपंच बलीराम बघेल बताते हैं कि पहले उन्हे अपने तहसील मुख्यालय लोहण्डीगुड़ा और जिला मुख्यालय तक जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब सड़क के बन जाने से बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है।

15 दिनों से 9वीं का आदिवासी छात्र लापता...

है कि संबंधित अधीक्षक को पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। 25 मार्च को प्रस्तुत जवाब असंतोषजनक पाया गया। प्रथम दृष्टया जांच में छात्रों की निगरानी में घोर लापरवाही एवं शासकीय निर्देशों की अवहेलना सामने आने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के तहत इसे कदाचार की श्रेणी में माना गया। इसके फलस्वरूप अधीक्षक की एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई की गई है। प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, छात्रावास एवं आश्रमों के सुचारू संचालन को ध्यान में रखते हुए सरियम मुकेश, प्रभारी अधीक्षक बालक आश्रम मेहता को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वे अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ प्री मैट्रिक बालक छात्रावास कोन्टा के अधीक्षकीय कार्यों का संचालन आगामी आदेश तक करेंगे।

परिजनों ने कोंटा थाने में लिखाई रिपोर्ट: कोंटा के प्री-मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास से लापता कक्षा 9वीं के छात्र का 15 दिन बाद भी सुराग नहीं मिला है। लापता छात्र की पहचान दिरदो शंकर (13 वर्ष) निवासी ग्राम पिलावाया, ग्राम पंचायत मेहता के रूप में हुई है। वह कोंटा छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा था। करीब दो सप्ताह पहले अचानक छात्रावास से लापता हो गया, जिसके बाद स्वजन ने कोंटा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने खोजबीन शुरू कर आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। घटना के 15 दिन बाद भी छात्र का कोई सुराग नहीं मिलने से परिजन चिंतित हैं और अधिकारियों की चुप्पी से नाराजगी बढ़ रही है। वही 2 अप्रैल को उक्त लापरवाह प्रभारी अधीक्षक को सिर्फ अधीक्षक कार्य से मुक्त व एक वेतनवृद्धि रोके जाने से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे है।

आदिवासी नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल: छात्र के लापता मामले को लेकर हमेशा सक्रिय भूमिका निभाने वाले आदिवासी जनप्रतिनिधि इस मामले पर चुप्पी साधे बैठे है। हमेशा प्रशासन की नाकामी पर दंभ भरने वाले जनप्रतिनिधियों की इस मामले में चुप्पी से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

कोटपाड़ की 'घट जात्रा' में दो ...

और आर्केस्ट्रा से जीवंत होता है कोटपाड़ पांच दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में पूरा कोटपाड़ मेला स्थल में तब्दील हो जाता है। ओड़िशा के विभिन्न नाट्य दल धार्मिक नाटकों की प्रस्तुति देते हैं, वहीं बड़े आर्केस्ट्रा कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहते हैं। सैकड़ों छोटे-बड़े दुकानों से बाजार सजता है और भीड़ इतनी अधिक होती है कि पूरे क्षेत्र में पैर रखने तक की जगह नहीं रहती। यातायात व्यवस्था को देखते हुए शहर से 5 किलोमीटर पहले ही वाहनों को डायवर्ट किया जाता है।

मर्दापाल क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों व आश्रम-छात्रावास पहुंची पन्ना

गर्भवती महिलाओं की करें निगरानी और व्यवस्थाओं में लाएं जल्द सुधार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोंडागांव

कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना ने मर्दापाल तहसील अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्रों एवं आश्रम- छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ग्राम चेमा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली तथा भवन की मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र का भी अवलोकन किया गया। जहां भवन को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने और भोजन निर्माण के लिए गैस सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने लखापुरी स्वास्थ्य केंद्र में दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा की तथा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सूची का अवलोकन किया। उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य कर्मियों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने और काउंसिलिंग को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने मर्दापाल स्थित बाल आश्रम कड़ेनार का निरीक्षण कर वहां की आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

छग के नक्सल मुक्त होने पर शहीदों को श्रद्धांजलि

गीदम। भारतीय जनता पार्टी मंडल बारसूर में समस्त भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चा के पदाधिकारी, नगर अध्यक्ष, पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में नक्सल हिंसा में वीरगति को प्राप्त जवानों, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल बारसूर के तत्वावधान में सभी वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की और उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण एबीईओ ने किया

बस्तर। केंद्रीकृत 8वीं बोर्ड परीक्षा के तहत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी बस्तर सुशील कुमार तिवारी द्वारा किया गया। सर्वप्रथम सोनारपाल संकुल के माध्यमिक शाला सोनारपाल, मुरकुची संकुल के माध्यमिक शाला मुरकुची जहां 25 में 2 छात्र अनुपस्थित पाए गए। फिर अधिकारी द्वारा संकुल केशरपाल के माध्यमिक केशरपाल केंद्र का भी अवलोकन किया। व्यवस्था चुस्त दुरूस्त पाई गई। पानी बिजली व शौचालय की व्यवस्था उत्तम पाई गई। निरीक्षण के दौरान संकुल समन्वयक केशरपाल अजय कश्यप उपस्थित थे।

दोरनापाल की सड़कें अंधेरे में डूबीं

दोरनापाल। सुकमा जिले के दोरनापाल नगर पंचायत की हालत इन दिनों चिंताजनक बनी हुई है।

नगर की मुख्य सड़क जो कभी रोशनी से जगमगाती थी, आज घोर अंधेरे में डूबी नजर आ रही है। सड़क किनारे लगी स्ट्रीट लाइटें पिछले कई महीनों से बंद पड़ी हैं, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इससे न केवल आम नागरिकों को परेशानी हो रही है, बल्कि सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम ढलते ही मुख्य मार्ग पर चलना जोखिम भरा हो जाता है। अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व सक्रिय हो सकते हैं, जिससे चोरी, दुर्घटना और अन्य घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी अधिक चिंता का विषय बन गई है। इस मुद्दे को लेकर नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष बबिता माड़वी ने भी प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नगर की मूलभूत सुविधाओं को लेकर इस तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं है और बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधा का ठप होना नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

कलेक्टर ने दिखाए कड़े तेवर, अब अनुदेशकों सहित साफ-सफाई पर होगी पैनी नजर

आवासीय विद्यालयों के बच्चों के सेहत से खिलवाड़

लीलाधर राठी ▶▶| सुकमा

सलवा जुडूम व नक्सल घटनाओं के बाद सुकमा जिले में संचालित हो रहे आवासीय विद्यालयों की अव्यवस्था को लेकर अब कलेक्टर ने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर दिए है। मार्च क्लोंजिंग पर दो कर्मचारियों पर निलंबन के साथ-साथ एक को शोकॉज नोटिस जारी होने से चारों ओर हड़कंप व्याप्त है।

वही कलेक्टर अमित कुमार ने आयोजित बैठकों व दौरों के दौरान साफ-साफ चेतावनी देते हुए अधीक्षकों व

■ **एक सप्ताह में दूसरी निलंबन की हुई कार्रवाई**

शिक्षा विभाग के अधिकारियों को अपना दामन साफ रखने की हिदायत दी है। 2012 यानि सुकमा जिला गठन उपरांत से चर्चा में आये आवासीय विद्यालय यानि पोटा केबिन इन दिनों चर्चा में है। चर्चा पूर्व में भी होती थी लेकिन कार्रवाई सिर्फ बंद कमरे तक ही सीमित होकर समाप्त हो जाती थी। 2025-26 में पोटा केबिनों की चर्चा पर उस वक्त धरातल पर आना शुरू हो गया जब कलेक्टर अमित कुमार ने अपने दौरों व बैठकों में व्यक्तिगत रूचि लेते हुए स्पष्ट तौर पर कहा कि बच्चों के निवालों से खिलवाड़ करने वालों की खैर नहीं होगी।

कलेक्टर अमित कुमार ने आवासीय विद्यालयों को लेकर आक्रमक मुंड में नजर आने लगे है। एक सप्ताह पूर्व कस्तुरबा आवासीय विद्यालय की अधीक्षिका महेश्वरी निषाद को निलंबन कर दिया था। वही एक बार फिर चिंतलनार के सहायक अधीक्षक भुपत राज ठाकुर को निलंबन कर प्रशासनिक हलकों मे हड़कंप मच गया है। जिले के चिंतलनार (चिंतागुफा) स्थित पोर्टा केबिन आवासीय विद्यालय में भारी अव्यवस्थाओं के मामले में जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर अमित कुमार द्वारा 31 मार्च को किए गए आकस्मिक निरीक्षण में विद्यालय की स्थिति बेहद खराब पाई गई, जिसके बाद एक ओर जहां अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित भी कर दिया गया।

अधीक्षक को शोकॉज नोटिस

कभी नक्सलियों की कथित राजधानी के नाम से प्रसिद्ध हुआ चिंतलनार एक बार अव्यवस्था को लेकर सुर्खियों में आ गया है। कलेक्टर अमित कुमार के निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में साफ-सफाई का अभाव स्पष्ट रूप से नजर आया। जगह-जगह कचरा फैला हुआ था और छात्रावास की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी। बच्चों के बेड अव्यवस्थित पाए गए तथा कई छात्र-छात्राएं अस्वच्छ व बिना व्यवस्थित कपड़ों में दिखे, जिससे प्रबंधन की लापरवाही उजागर हुई। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत अधीक्षक किरण कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी कर 1 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मार्च क्लोजिंग बना निलंबन का माह

आवासीय विद्यालयों को लेकर कलेक्टर अमित कुमार इन दिनों काफी गंभीर नजर आ रहे है। धरातल व विभिन्न बैठकों में खासकर शैक्षणिक व्यवस्था व खानपान को लेकर कलेक्टर स्वयं मानीटरिंग कर रहे है। पिछले दिनों कोन्टा ब्लाक मुख्यालय स्थित कस्तुरबा आवासीय कन्या विद्यालय की अधीक्षिका को निलंबन की राह दिखा दी थी। वही एक बार पुनः चिंतलनार के सहायक अधीक्षक भुपतराज को भी निलंबन कर चिंतागुफा के अधीक्षक को कारण बताओं नोटिस जारी किय गया।

सुव्यवस्थित रखना अधीक्षक की जिम्मेदारी

जांच में यह भी सामने आया कि संस्था में पदस्थ कर्मचारियों पर अधीक्षक का नियंत्रण कमजोर है, जिससे संपूर्ण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। विद्यालय के दोनों भाग प्रारंभिक (अ) एवं माध्यमिक (ब) की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखना अधीक्षक की जिम्मेदारी थी, लेकिन इस दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। साथ ही, पूर्व में दिए गए निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर अमित कुमार ने सख्त कार्रवाई करते हुए अधीक्षक (माध्यमिक स्तर) भूपतराज ठाकुर एवं सहायक अधीक्षक (प्रारंभिक स्तर) को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण,नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान ठाकुर का मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, कोन्टा निर्धारित किया गया है तथा उन्हें शासन के नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल 10 अप्रैल को दुबारा 12वीं हिन्दी की परीक्षा लेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

छमाशि मंडल रायपुर द्वारा आयोजित 12वीं की हिंदी परीक्षा 10 अप्रैल को आयोजित होगा। उक्त परीक्षा के सफल आयोजन हेतु अपर कलेक्टर राजेश पात्रे के अध्यक्षता में समस्त राजस्व अधिकारियों परिवहन अधिकारियों व सर्व थाना प्रभारियों की

■ **जिला प्रशासन ने परीक्षा संपन्न कराने अधिकारियों की ली बैठक**

बैठक लिया गया है। सनद रहे कि छग माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 14 मार्च को कक्षा 12वीं की विषय हिन्दी की परीक्षा संपन्न किया गया था परन्तु उक्त विषय परीक्षा 23 मार्च द्वारा निरस्त की गई थी। इस संबंध में हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा वर्ष 2026 के विषय हिन्दी की परीक्षा 10 अप्रैल को निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में समय प्रातः 9 बजे से 12.15 बजे तक पुनः आयोजित की जायेगी। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आकस्मिक निरीक्षण हेतु जिला स्तर पर उड़नदस्ता दल का गठन करने के साथ-साथ राजस्व अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इस संबंध में आज हुई बैठक में उक्त परीक्षा तिथियों में परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष द्वारा पुलिस थाना चौकी से प्रश्न पत्र निकालते समय थाना प्रभारी, के चौकी में उपस्थित रहने और केन्द्राध्यक्ष द्वारा उपरोक्त परीक्षा तिथि को नियत प्रश्न पत्र से संबंधित लिफाफे को सावधानीपूर्वक बॉक्स से बाहर निकालने, उसके निरीक्षण कर पंजी में हस्ताक्षर करने तथा केन्द्राध्यक्ष के साथ परीक्षा केन्द्र तक जाने एवं परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा केन्द्र में उपस्थित रहने, निगरानी के लिए नियुक्त दर्शित अधिकारी, कर्मचारी को रजिस्टर में उनके नाम के सम्मुख उल्लेखित करने के संबंध में विशेष दिशा निर्देश दिए गए।

उड़िया समाज ने घूमधाम से मनाया उत्कल दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| किरंदुल

दंतेवाड़ा जिले के लौह नगरी किरंदुल में उत्कल समाज (उड़िया समाज) द्वारा बुधवार की शाम उत्कल दिवस बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत उत्कल समाज की महिलाओं द्वारा पारंपरिक उड़िया स्वागत गीत से की, जिसमें सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात बच्चों द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने उत्कल दिवस के महत्व और ओडिशा की समृद्ध संस्कृति पर प्रकाश डाला। वहीं बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक भारतनाट्यम नृत्य ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाली महिलाओं एवं बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनएमडीसी किरंदुल के अधिशासी निर्देशक रविंद्र नारायण, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह, एनएमडीसी वर्क्स हेड किशन आहूजा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशिभूषण महापात्र सहित उत्कल समाज के पदाधिकारी एवं किरंदुल के विभिन्न समाजों के प्रमुख सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने उत्कल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उड़िया समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं की सराहना की। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ पूरा कार्यक्रम उत्साह, उमंग और भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ कार्यक्रम की समाप्ति के बाद सभी अतिथियों एवं समाज के सदस्यों ने साथ में रात्रि भोजन ग्रहण किया। उत्कल समाज विकास समिति एवं जगन्नाथप सेवा समिति के अध्यक्ष अविनाश स्वाइन, सचिव डीआर लेंका, जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष आरसी नाहक, रंजीत प्रतिहारी, बासुदेव प्रतिहारी, गोपाल गिरी प्रवीण, त्रिलोक रंजन दास, ब्रजेश मिश्रा, बिक्की नाहक एवं समाज के महिलाओं का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान था।

पात्र हितग्राहियों को नहीं मिल रहा योजना का लाभ

एसडीएम से की गई शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दोरनापाल

नगर पंचायत दोरनापाल के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 13 के कई पात्र परिवारों को दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना का लाभ नहीं मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कांग्रेसी कार्यकर्ताओ व स्थानीय नागरिकों द्वारा अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम के नाम से दोरनापाल तहसीलदार योपेंद्र पात्रे को लिखित आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया गया है। आवेदन में बताया गया है कि दोरनापाल क्षेत्र के कई गरीब परिवार, जो योजना के पात्र हैं, उन्हें अब तक योजना का लाभ नहीं मिल पाया है।

बताया गया कि हितग्राहियों ने शासन द्वारा आयोजित शिविरों में आवेदन भी जमा किए थे, लेकिन लंबे समय बीतने के बाद भी उनके आवेदनों पर स्वीकृति नहीं दी गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि वे रोज़ मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते हैं और ऐसे में योजना का लाभ न मिलना उनके लिए बड़ी समस्या बन गया है। योजना का उद्देश्य ही भूमिहीन और गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता देना है, लेकिन पात्र होने के बावजूद वंचित रहना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। आवेदन में कई हितग्राहियों के नाम भी उल्लेखित किए गए हैं, जिन्होंने योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने एसडीएम से जल्द कार्रवाई करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष बबीता माड़वी जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह चौहान ब्लॉक अध्यक्ष माड़वी देवा ब्लॉक कोषाध्यक्ष दीपक सिंह चौहान आदर्श तोमर कतरू खान व बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता व वार्डवासी मौजूद रहे।

सील किए गए पोकलेन मशीन से रेत का अवैध खनन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हाल ही में बकावण्ड ब्लाक के तारापुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलगांव में कलेक्टर के निर्देश पर

■ **एसडीएम, तहसीलदार और थानेदार के सामने ग्रामीणों का विरोध**

माईनिंग विभाग ने पोकलेन मशीन और हाईवा जब्त किया था। अब यह खबर आ रही है कि सील किए गए पोकलेन मशीन का उपयोग रेत के अवैध उत्खनन में किया जा रहा है। इसमें कतिपय प्रभावशाली लोग अपने फायदे के लिए ग्रामीणों को ढाल बनाकर सामने कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि एसडीएम, तहसीलदार और थानेदार के वहां पोकलेन मशीन को लेने पहुंचने पर ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। इन दिनों रेत का मामला पूरे छत्तीसगढ़ में चर्चा का विषय बना हुआ है। कलेक्टर बस्तर के निर्देश पर

माईनिंग विभाग सक्रिय हुआ है लेकिन कई ऐसे खदान जहां से लाखों में राजस्व मिल सकता है, वहां बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है।

सूत्रों के मुताबिक रसूखदार बाहरी लोग ग्रामीणों को प्रलोभन देकर अपने पक्ष में करने के प्रयास में है। उनके द्वारा ग्रामीणों को गांव के धार्मिक आयोजन में बड़ी रकम देने की बात भी कही जा रही है। सील पोकलेन मशीन का उपयोग गंभीर बात है।

शहीद आदिवासी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित

लोहंडीगुड़ा। सर्व आदिवासी समाज, बौद्ध समाज एवं आदिवासी कर्मचारी संघ लोहंडीगुड़ा के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 1961 के ऐतिहासिक गोलीकांड में शहीद हुए आदिवासी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग, युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के स्मरण और दो मिनट के मौन के साथ हुई। बसंत कश्यप ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि 1961 का गोलीकांड बस्तर के इतिहास का एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण अध्याय है।

एलपीजी-पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धताः कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

पश्चिम एशियाई संकट की पृष्ठभूमि में संभावित प्रभावों को लेकर जिले में किसी भी तरह की आशंका को दूर करने हेतु कलेक्टर संबित मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने संयुक्त प्रेसवार्ता आयोजित कर स्थिति स्पष्ट की। दोनों अधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि जिले में सभी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

कलेक्टर ने जानकारी दी कि केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश सहित बीजापुर जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं आएगी। पेट्रोल और डीजल की भी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम एवं गैस मंत्रालय द्वारा 28 फरवरी के बाद उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप आपूर्ति व्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

प्रेस वार्ता में कलेक्टर ने पीपीटी के माध्यम से जिले में उपलब्ध गैस स्टॉक, घरेलू एवं व्यावसायिक कनेक्शनों की स्थिति तथा प्रतिदिन की बुकिंग संबंधी आंकड़े साझा किए। साथ ही खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तु प्रबंधन के तहत राज्य एवं जिला स्तर पर की जा रही कार्यवाहियों की जानकारी देते हुए बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत आपूर्ति और भंडारण पर प्रशासन सतत निगरानी रख रहा है। जिले में 30 से 45 दिनों का अग्रिम खाद्यान्न स्टॉक सुरक्षित रखने की व्यवस्था भी की जा रही है। कलेक्टर ने विशेष रूप से अफवाहों से बचने की अपील करते हुए कहा कि भ्रामक एवं अपुष्ट खबरें समाज में भय और अस्थिरता पैदा करती हैं। उन्होंने मीडिया से आग्रह किया कि किसी भी समाचार के प्रकाशन से पहले प्रशासन से पुष्टि अवश्य करें, ताकि जनता तक सही और तथ्यात्मक जानकारी पहुंचे। वहीं आम नागरिकों से भी सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से सतर्क रहने को कहा।

पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह सुचारू है। बीजापुर दो अंतरराज्यीय सीमाओं से जुड़ा होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

बैठक के दौरान कलेक्टर और एसपी ने 31 मार्च को बीजापुर जिले के सशस्त्र माओवाद से मुक्त होने पर जिलेवासियों को बधाई दी।

आधार शिविर में कम उपस्थिति पर एसडीएम नाराज

हरिभूम न्यूज ▶▶| बीजापुर

अनुविभागीय अधिकारी जागेश्वर कौशल ने स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल नैमेड में आयोजित आधार शिविर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिविर में छात्र-छात्राओं की कम उपस्थिति पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। एसडीएम ने स्कूल की प्रिंसिपल, संकुल समन्वयक तथा लापरवाही बरतने वाले संस्था प्रमुखों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी शिविरों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इस दौरान उपस्थित खंड शिक्षा अधिकारी बीजापुर नागेश निषाद एवं खंड स्त्रोत समन्वयक राजेश मिश्रा को निर्देशित किया गया कि शिविर को गंभीरता से नहीं लेने वाले शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा जिले के सभी अध्ययनरत बच्चों के लिए आधार कार्ड, अपार आईडी, जाति प्रमाणपत्र एवं जन्म प्रमाणपत्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए विभिन्न स्कूलों एवं संकुलों में लगातार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासन ने इस अभियान को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी बच्चा आवश्यक दस्तावेजों से वंचित न रहे। निरीक्षण के दौरान आधार मैनेजर संतोष एवं सहायक खंड शिक्षा अधिकारी दीपक कोंड्रा भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त कर्मियों का सम्मान

जगदलपुर। शासकीय सेवा की एक लंबी और कर्तव्यनिष्ठ यात्रा पूरी कर सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में एक गरिमामयी विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर आकाश छिकारा ने सेवानिवृत्ति प्राप्त कर रहे 9 अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं देते हुए उन्हें शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया। प्रशासन की संवेदनशीलता का परिचय देते हुए कलेक्टर ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उसी समय पेंशन भुगतान आदेश भी प्रदान किए, ताकि सेवा के बाद उनकी आगामी राह सुगम हो सके। समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर आकाश छिकारा ने भावुक शब्दों में कहा कि आप सभी ने विभिन्न विभागों में रहते हुए अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय लोक सेवा और जनहित के कार्यों में व्यतीत किया है, जिसके लिए प्रशासन और जनता सदैव आपके आभारी रहेंगे। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि शासकीय सेवा से निवृत्ति केवल एक औपचारिक पड़ाव है, आपके पास जो अनुभव, कौशल और ज्ञान का भंडार है, उसकी आवश्यकता अब भी समाज को है। उन्होंने आग्रह किया कि सेवानिवृत्ति के बाद की इस नई पारी में आप अपने अनुभवों का लाभ समाज के उत्थान और लोगों के कल्याण के लिए अवश्य प्रदान करें। इस सम्मान समारोह के दौरान वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री अनिल कुमार पाठक सहित कोषालय विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के परिजनों ने भी शिरकत की, जिनकी उपस्थिति ने इस विदाई समारोह को और भी अधिक यादगार और आत्मीय बना दिया।

बस्तर की धरा पर संपन्न हुई खेलो इंडिया एथलेटिक्स स्पर्धाएं

रफ्तार, शक्ति और अटूट संकल्प का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर के धरमपुरा स्थित आधुनिक क्रीड़ा परिसर में आयोजित पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' के अंतर्गत गुरुवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन ट्रैक पर रफ्तार, शक्ति और अटूट संकल्प का अद्भुत संगम देखने को मिला। बीते 30 मार्च से भव्यता के साथ शुरू हुए इस खेल महाकुंभ के समापन अवसर पर देश के कोने-कोने से आए जनजातीय एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कई रोमांचक पदक अपने नाम किए। दिन की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पर्धाओं में से एक, पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में नागालैंड के धावक वेडे टमेरो ने शुरू से ही अपनी लय बरकरार रखी और 32:28.46 के शानदार समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनके ठीक पीछे महाराष्ट्र के जुझारू एथलीट कमलाकर लक्ष्मण देशमुख रहे, जिन्होंने रजत पदक जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के हंस राज ने कांस्य पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी स्पर्धा के महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल की संजीता ओरांव ने अपनी सहनशक्ति का परिचय देते हुए 40:21.18 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जहाँ ओडिशा की संध्या मुर्मू को रजत और मेघालय की बलारिशा थिरनियांग को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। मैदान पर रोमांच तब और बढ़ गया जब एथलेटिक्स के इस अंतिम पड़ाव पर लघु दूरी की स्पर्धाओं में धावकों ने अपनी बिजली जैसी तेजी दिखाई। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने 21.51 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ फिनिशिंग लाइन पार कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के अर्पण ताई और राजस्थान के जगदीश मीणा ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। महिला वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा में कर्नाटक की ऋतुश्री ने 25.87 सेकंड की रफ्तार से स्वर्ण पदक अपने नाम कर राज्य का गौरव बढ़ाया। मध्यम दूरी की 1500 मीटर दौड़ में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ महिला वर्ग में कर्नाटक की नागिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं पुरुष वर्ग में झारखंड के राहुल उरांव ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उल्लेखनीय है कि मेजबान छत्तीसगढ़ के मनीष कुमार ने घरेलू मैदान पर दर्शकों के भारी समर्थन के बीच तीसरा स्थान हासिल कर राज्य की झोली में कांस्य पदक डाला।

- 10 हजार मीटर दौड़ में नागालैंड के धावक वेडे टमेरो ने स्वर्ण पदक पर जमाया कब्जा

शक्ति और तकनीक के संगम वाली भाला फेंक (जैवलीन थ्रो) स्पर्धा में मध्य प्रदेश के गुलाब सिंह ने 62.80 मीटर की प्रभावशाली दूरी तय कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के प्रमोद हागजेर मात्र कुछ ही फासले से पीछे रहकर रजत पदक के हकदार बने। टीम वर्क और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए महिला 4x400 मीटर रिले दौड़ में झारखंड की आशा किरण बारला और तनीषा कुमारी की टीम ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं पुरुषों की इसी स्पर्धा में ओडिशा की टीम ने चैंपियन बनकर अपनी धाक जमाई। मेजबान छत्तीसगढ़ की पुरुष रिले टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। एथलेटिक्स मुकाबलों के इस अंतिम दिन की अंतिम रोमांचक स्पर्धाओं में महिला लंबी कूद शामिल रही, जहाँ झारखंड की प्रीति लकड़ा ने 5.54 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। केंद्रीय खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित यह महाकुंभ न केवल पदक तालिका में उलटफेर कर रहा है, बल्कि जनजातीय क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को एक सशक्त राष्ट्रीय मंच प्रदान कर बस्तर के खेल इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख रहा है।

उत्कल दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

उत्कल समाज बस्तर संभाग द्वारा 1 अप्रैल को उत्कल स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के अध्यक्ष राजेश दास व अन्य पदाधिकारियों एवं संस्थापक सदस्य भुवनेश्वर रथ और बामदेव मिश्र द्वारा भगवान जगन्नाथ एवं भैरव बाबा के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

- परंपरा के साथ शुरू हुआ आयोजन, भक्ति और श्रद्धा का संगम

इस अवसर पर बच्चों ने भजन एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं बच्चों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।

मुख्य अतिथि सुकमा जमींदार परिवार के कुमार जयदेव ने उत्कल समाज की लगभग 600 वर्षों पुरानी बस्तर में उपस्थिति को गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि समाज ने अपनी समृद्ध परंपरा और संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा है। उन्होंने उत्कल समाज से अपने पारिवारिक जुड़ाव को साझा करते हुए इसे अपना परिवार बताया।

उन्होंने सामाजिक एकता, भाईचारे और मजबूत संगठन को विरासत संरक्षण का आधार बताते हुए समाज के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन ने 31 मार्च को निकाली गई भव्य शोभायात्रा की सराहना करते हुए युवाओं के प्रयास को सराहनीय बताया, वहीं एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्रही ने सभी को उत्कल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और भव्य आयोजन की कामना की। कार्यक्रम का आभार उत्कल समाज अध्यक्ष राजेश दास ने माना, जबकि संचालन समाज के सांस्कृतिक सचिव मनीष श्रीवास्तव ने किया।

उत्कल दिवस की पूर्व संध्या पर 31 मार्च को समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसे युवा विंग ने शानदार तरीके से संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान किया गया तथा महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जिससे आयोजन में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ।

अटल भवन कार्यालय का विधायक ने किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

चित्रकोट विधानसभा के लोहण्डीगुड़ा में 2 अप्रैल को हनुमान जी जन्मोत्सव के पावन अवसर पर चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने भाजपा के नए कार्यालय अटल भवन का भूमि पूजन किया, जो हॉस्पिटल चौक पर स्थित यह कार्यालय कार्यकर्ताओं का मेहनत का नतीजा है जो अब जाकर मिला है। कार्यालय के रूप में यह आधुनिक कार्यालय क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र होगा, जिसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करना एवं क्षेत्र के दूर दराज कार्यकर्ताओं को ठहरने के लिए भी सुविधा रहेगा। गोयल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से उन्नत एवं सुव्यवस्थित इन भवनों के निर्माण से प्रशासनिक कार्यों में दक्षता आएगी और आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस दौरान पूर्व विधायक लच्छूराम कश्यप, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मांडवी, मंडल प्रभारी नारायण ठाकुर, मंडल अध्यक्ष मंगतू कश्यप, जिला सदस्य, चंद्रभान कश्यप, जनपद उपाध्यक्ष डॉ. बसंत कश्यप, दरभा मंडल देवी प्रसाद बैजाम, लच्छिन यादव, ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष नरसिंह ठाकुर सहित जनपद सदस्य सरपंच, सभी मोर्चा प्रकोष्ठ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में ज्ञान की जंग युवा प्रतिभाओं ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर जगदलपुर के राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला द्वारा 28 मार्च 2026 को डॉ भीमराव आंबेडकर की जीवनी एवं योगदान विषय पर एक प्रभावशाली वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर के जीवन, विचारों और उनके अमूल्य योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशालाओं से लगभग 40 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने आंबेडकर के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक योगदान से जुड़े प्रश्नों में अपनी समझ और तैयारी का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के माध्यम से चयनित दो श्रेष्ठ प्रतिभागियों को आगामी 14 अप्रैल 2026 को आंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित लोकसभा स्तरीय युवा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिलेगा। यह मंच युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन ने न केवल ज्ञान का विस्तार किया, बल्कि युवाओं को देश के महान विचारकों के प्रति प्रेरित भी किया।

वायरल फीवर, सर्दी, खांसी के मरीज पहुंच रहे अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर के शासकीय जिला महारानी अस्पताल का ओपीडी मरीजों की भारी भीड़ है। ओपीडी में मरीज आमतौर पर परीक्षण, डॉक्टर से परामर्श और छोटी बीमारियों, चोटों या सामान्य स्वास्थ्य जांच जैसी सेवाओं के लिए पहुंच रहे हैं। अस्पताल में सर्दी, खांसी, बुखार आदि की लगभग 600 मरीज पहुंच रहे, मौसम में शरीर में विभिन्न प्रकार की एलर्जी का भी खतरा बना रहता है। साथ ही सूखी खांसी, पेट जलना, सिर दर्द, भूख की कमी आदि के मरीज शामिल हैं। मरीज के परिजनों ने कहा कि मेकाज शहर से लगभग 7 किमी दूर है और मेकाज में जाने से डॉक्टरों के दिए गए दवाओं के लिए जगदलपुर ही जाना पड़ता है।

- महारानी अस्पताल में मरीज लग रही कतार

अस्पताल अधीक्षक डॉ. संजय प्रसाद ने बताया कि सभी डॉक्टरों एवं अन्य स्टॉफ को निर्देश दिए गए है कि हर संभव मरीजों को उपचार करें। मरीजों को साथ कोई भी लापरवाही एवं मनमानी न करें, साथ ही डॉक्टरों को कहा कि अस्पताल में जो दवाईयां उपलब्ध हों उसे ही पर्ची में लिखे।

राहगीरों के लिए शुरू हुआ शीतल जल प्याऊ

जगदलपुर। बस्तर जिले में सूर्य के बढ़ते तेवर और भीषण गर्मी को देखते हुए मानवता की सेवा के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बस्तर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना घाटलोहंगा के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय यात्री प्रतीक्षालय में शीतल जल प्याऊ घर का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस सेवा कार्य का मुख्य उद्देश्य चिलचिलाती धूप में सफर करने वाले यात्रियों और आसपास के ग्रामीणों को ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध कराना है। इस पुनीत कार्य का शुभारंभ ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती दिया भद्रे और उप सरपंच श्री यमुना तिवारी के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर डीओसी (स्काउट) दसरुराम यादव, जिला सचिव लिलेश कुमार देवांगन, वरिष्ठ ग्रामीण यशवंत तिवारी और पूर्व सरपंच कुशल बघेल सहित ग्राम पटेल एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद हिंदी उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घाटलोहंगा के प्राचार्य एवं शैक्षणिक स्टाफ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

टीकाकरण अधिकारी ने बच्चों को पिलाया विटामिन ए का सिरप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं रायपुर से आए राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. वीआर भगत ने जमीनी स्तर पर चल रही स्वास्थ्य सेवाओं, विशेषकर टीकाकरण की स्थिति का मैदानी स्तर पर जाकर जायजा लेने के उद्देश्य से उप स्वास्थ्य केंद्र परपा के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पुजारीपारा, बीरिंगपाल में आयोजित शिशु संरक्षण माह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. भगत ने बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई। उन्होंने एएनएम एवं आरएचओ से दी जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली। आयरन सिरप, विटामिन ए तथा वीएचएसएनडी (ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस) में दी जाने वाली सेवाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ. भगत ने 7 अप्रैल से शुरू हो रहे स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इस कार्यक्रम में क्षेत्र की सम्पूर्ण आबादी की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर राज्य से आए सलाहकार मुमताज अंसारी, सुपरवाइजर प्रशांत श्रीवास्तव, आरएचओ गोपेश शोम, रमशीला मरकाम, सुशीला तिवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भुनेश्वरी पांडे, आंगनबाड़ी सहायिका डिगेश्वर कश्यप, मितानिन मनबती साहू एवं सोमारी कश्यप सहित लाभार्थी शामिल रहे।

- एएनएम एवं आरएचओ से दी जा रही सेवाओं के बारे में ली जानकारी

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मैत्री ने बताया कि वर्तमान में 17 मार्च से 21 अप्रैल तक शिशु संरक्षण माह मनाया जा रहा है। इस माह के दौरान 6 माह से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को आयरन सिरप तथा 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की दवा दी जा रही है।

एनएमडीसी ने अब तक सर्वाधिक 53 एमटी टन उत्पादन के साथ रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक तथा जिम्मेवार खनिक एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2026 में 53 एमटी लौह अयस्क के उत्पादन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जो भारत के खनन इतिहास में 50 एमटी वार्षिक उत्पादन के लक्ष्य को पार करने वाली प्रथम कंपनी बन गई है। यह उपलब्धि संख्यात्मक उपलब्धि से आगे है, जो भारत के खनिज क्षेत्र की बढ़ती ताकत और गति का प्रतीक है। एनएमडीसी निरंतर देश की लौह अयस्क आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है तथा अपने इस्पात उद्योग की आधारशिला को मजबूती प्रदान कर रहा है।

- जिम्मेदार खनिक भारत की इस्पात उद्योग के आधार को मजबूत बना रहा है और 100+ एमटी के अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निरंतर ऊंचाईयों को छू रहा

कंपनी ने पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में क्रमशः 51 प्रतिशत और 40 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि के साथ मार्च 2026 माह में 5.35 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया तथा 5.90 एमटी लौह अयस्क की बिक्री की। कुल उत्पादन परिणाम 21 प्रतिशत की अद्भुत वृद्धि के साथ 53.15 एम टी तक पहुंच गया तथा बिक्री 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 50.23 एमटी तक पहुंच गई, जो स्थापना के बाद से इसका अब तक का सर्वोत्तम मात्रा है। एनएमडीसी की प्रमुख लौह अयस्क खदानों- छत्तीसगढ़ में किरंदुल तथा बचेली एवं कर्नाटक में दोणिमलै के मजबूत प्रदर्शन से रिकॉर्ड उत्पादन हुआ, जिसने कंपनी के इतिहास में अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज कर दिया।

दुबई में अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय के उद्घाटन, झारखंड में प्रथम कोयला खदान के सफल प्रचालन तथा छत्तीसगढ़ के बैलाडीला में निक्षेप 4 की कमीशनिंग के साथ, इसकी उत्पादन क्षमताओं एवं विविधीकरण रणनीति को और मजबूत करने के साथ वित्त वर्ष 2026 एनएमडीसी के लिए विस्तार योजना एवं परिवर्तन का निर्णायक वर्ष रहा है। इस इस्पाती इरादों के साथ, एनएमडीसी ने मजबूत गति एवं ध्यान केंद्रित विकास दृष्टिकोण के साथ वित्त वर्ष 27 में प्रवेश किया है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर, श्री अमिताभ मुखर्जी सीएमडी, एनएमडीसी ने कहा, ₹50 एमटी उत्पादन को पार करना एनएमडीसी के लिए केवल उत्पादन का मील का पत्थर नहीं है, यह हमारे तथा भारत के खनन क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। इंफ्रास्टकचर के विकास के साथ जैसे-जैसे भारत की इस्पात की मांग तेजी से बढ़ रही है, एनएमडीसी पहले से कहीं अधिक मजबूत, व्यापक तथा अधिक भविष्य-ध्यानकेंद्रित है।

झारखंड में एक नई कोयला खदान, बैलाडीला में नई लौह अयस्क खदान तथा इस रिकॉर्ड उत्पादन के साथ 2026 ने हमारा उत्साह और बढ़ा दिया है। इस मजबूत गति के साथ, हमने वित्त वर्ष 27 के लिए एक निर्णायक गति निर्धारित की है तथा उपयुक्त संसाधन विकास पहलों द्वारा समर्थित हमारी विस्तार योजनाओं के साथ, हम आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत को सशक्त बनाने के अपने व्यापक दृष्टिकोण की ओर निरंतर बढ़ रहे हैं।

एनएमडीसी का उच्च श्रेणी का लौह अयस्क भारत के कुछ प्रमुख इस्पात उत्पादकों के प्रचालन को शक्ति प्रदान कर रहा है, जो देश के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, विनिर्माण प्रगति तथा इस्पात की मांग के विस्तार को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जैसे-जैसे भारत अपने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है तथा अपने वैश्विक नेतृत्व को मजबूत कर रहा है, लौह अयस्क की मांग और खपत बढ़ने की उम्मीद बढ़ती जा रही है। एनएमडीसी इस बढ़ती मांग को पूरा करने तथा निरंतर आर्थिक विकास को सक्षम करने के लिए रणनीतिक रूप से अपनी क्षमताओं में वृद्धि कर रहा है।

इस ऐतिहासिक मील के पत्थर के आधार पर, कंपनी नई खनन परियोजनाओं, क्षमता वृद्धि एवं इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के माध्यम से 2030 तक 100+ एम टी से अधिक लौह अयस्क उत्पादन क्षमता प्राप्त करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ अपने विस्तार रोडमैप को तेज कर रही है। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के साथ निकटता से जुड़कर, एनएमडीसी स्वयं को भारत के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के प्रमुख प्रचालक के रूप में स्थापित कर रहा है, जो कच्चे माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं राष्ट्र की सतत प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।